नईदुनिया

अडानी ने साल जाते-जाते की जमकर कमाई, सूची में चढ़े एक स्थान ऊपर

नई दिल्ली

दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट रही भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। दुनिया के टॉप 20 अमीर लोगों में से 17 की नेटवर्थ में गिरावट आई। केवल गौतम अडानी, अमेरिका के लैरी एलिसन और एनवीडिया के फाउंडर जेंसन हुआंग की नेटवर्थ में तेजी बनी रही। शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद अडानी ग्रुप के अधिकांश शेयरों में सोमवार को तेजी नजर आई। इससे अडानी की नेटवर्थ में 3.48 अरब डॉलर की तेजी आई। वह 80.1 अरब डॉलर की

दुनिया के टॉप 17 अमीर लोगों की नेटवर्थ में आई गिरावट

नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की सूची में एक स्थान चढ़कर 18वें नंबर पर पहुंच गए। अडानी टोटल गैस में सोमवार को 11.20 फीसदी तेजी रही जबकि ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 7.65 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ। अडानी पावर में 6.46 फीसदी, अडानी ग्रीन एनर्जी में 2.31 फीसदी और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में 2.46 फीसदी की तेजी देखी गई। इसके साथ ही अडानी एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी के करीब पहुंच गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन अंबानी की नेटवर्थ में 64.7 करोड़ डॉलर की गिरावट रही। वह 90.6 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 5.73 अरब डॉलर की गिरावट आई है। दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क की नेटवर्थ में सोमवार को 9.83 अरब डॉलर की गिरावट रही और अब यह 442 अरब डॉलर रह गई है। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 241 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर हैं। फेसबुक के फाउंडर मार्क जकरबर्ग 209 अरब डॉलर के साथ तीसरे, लैरी एलिसन 193 अरब डॉलर के साथ चौथे, बर्नार्ड आरनॉल्ट 176 अरब डॉलर पांचवें, लैरी पेज 170 अरब डॉलर के साथ छठे, सर्गेई ब्रिन 160 अरब डॉलर सातवें, बिल गेट्स 160 अरब डॉलर आठवें, स्टीव बालमर 148 अरब डॉलर नौवें और वॉरेन बफे 142 अरब डॉलर के साथ दसवें नंबर पर जमे हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

आरबीआई की ओर से सुरक्षित बैंकिंग के लिए नए निर्देश, और अधिक सुरक्षित होगा आरटीजीएस और एनईएफटी से लेनदेन

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में सभी बैंकों को एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि वे आरटीजीएस या एनईएफटी प्रणाली का उपयोग करते समय पैसा भेजने वाले खाताधारकों का नाम वैरिफाई करने की सुविधा प्रदान करें। इस सुविधा की शुरुआत करने के लिए, आरबीआई ने सभी बैंकों को 1 अप्रैल, 2025 तक की डेडलाइन दी है। आरबीआई के इस कदम से धन भेजने वाले लाभार्थी के खाते का नाम और ब्रांच आईएफएससी कोड इनपुट करने के बाद उनकी पहचान किया जा सकेगा। इस तरह गलत क्रेडिट और धोखाधड़ी की संभावना कम हो जाएगी और ग्राहकों के लिए सुरक्षित लेनदेन सुनिश्चित होगा। रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आरटीजीएस) पेमेंट सिस्टम और नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी) सिस्टम के माध्यम से पैसा भेजने पर, लाभार्थी का नाम वैरिफाई करना आसान हो जाएगा। यह सुविधा ग्राहकों के बीच विश्वास और आत्मविश्वास को बढ़ाएगी। आरबीआई द्वारा यह निर्णय लिया गया है क्योंकि इससे ग्राहकों को ऑनलाइन लेनदेन के दौरान अधिक सुरक्षा और सहायता मिलेगी। इस प्रक्रिया को माध्यम से बैंक और उपभोक्ता दोनों को होने वाले किसी भी जोखिम को कम किया जा सकेगा। यह सुरक्षा की नई कड़ी में एक महत्वपूर्ण कदम है और इसके इम्पलीमेंटेशन से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्राप्त होंगी। यहां तक कि भारतीय बैंकिंग सेक्टर में भुगतान प्रणालियों की दिशा में यह एक बड़ा और पहले से ही कीमती कदम साबित हो सकता है।

वारी रिन्यूएबल को दो गीगावाट की सौर परियोजना का मिला ठेका, यह सौर परियोजना राजस्थान के बीकानेर में स्थित होगी

नई दिल्ली। वारी रिन्यूबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (डब्ल्यूआरटीएल) ने जिंदल रिन्यूएबल्स की विशेष इकाई (एसपीवी) सनब्रीज रिन्यूएबल्स नाइन प्राइवेट लिमिटेड से दो गीगावाट सौर परियोजना के लिए अपना सबसे बड़ा इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण (ईपीसी) ठेका हासिल किया है। यह कदम एक महत्वपूर्ण प्रयास का हिस्सा है जिसमें उर्जा क्षेत्र में नया जीवन प्रदान किया जा रहा है। यह सौर परियोजना राजस्थान के बीकानेर में स्थित होगी और उर्जा दक्षता को बढ़ाने तथा उत्पादन को अधिकतम करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों व टिकाऊ समाधानों का इस्तेमाल किया जाएगा। इस परियोजना के माध्यम से प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र को एक नया दिशा प्रदान किया जाएगा जो भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस समाधान से मिलने वाला ऊर्जा उत्पादन देश में स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक नया उजागर कर सकता है जो आने वाले समय में अधिक विकास के दरवाजे खोल सकता है। इस समाचार ने उर्जा क्षेत्र में नए संभावनाओं का दरवाजा खोल दिया है और आगे और उत्कृष्टता की दिशा में एक प्रेरणा स्रोत माना जा रहा है। यह एक बड़ी उत्थान कथा का शुभारंभ हो सकता है जो देश के उर्जा स्वायत्तता की दिशा में नए मील का पत्थर साबित हो सकता है।

चाय के दाम में बढ़ोतरी की संभावना, 2024 में उत्पादन में 10 करोड़ किलो की गिरावट का अनुमान

नई दिल्ली । चायपत्ती के दाम में बढ़ोतरी होने की संभावना है। नवंबर के बाद चाय के बागान बंद होने से

उत्पादन में गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। बताया गया है कि इस साल का प्रदर्शन अत्यंत शानदार नहीं है। उत्पादन में कमी के चलते, मामूली लाभ हो सकता है। चाय उत्पादन की गिरावट के पीछे विभिन्न कारण हैं, जैसे मौसम की अनियमितता, फसल उत्पादन में अस्थिरता, और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव। चाय उत्पादन क्षेत्रों में तापमान की ऊँचाई और वर्षा की अनियमितता ने उत्पादन पर बहुत बुरा प्रभाव डाला है। भारतीय चाय संघ के एक अधिकारी ने इसे भारतीय चाय उत्पादन के लिए एक चुनौती कहा। उन्होंने कृषि विज्ञान के माध्यम से मृदा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए अधिक प्रयासों की आवश्यकता बताई।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिलाजुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार होता दिख रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान चौतरफा बिकवाली होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक कमजोरी के साथ बंद हुए। पिछले सत्र के दौरान डाउ जॉन्स 400 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 1.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,906.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 238.44 अंक यानी 1.21 प्रतिशत टूट कर 19,483.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,550.89 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।अमेरिकी बाजार की तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,121.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,313.56 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.38 प्रतिशत फिसल कर 19,909.14 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 4 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। जापान, कोरिया और थाईलैंड के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से निक्केई इंडेक्स, कोस्पी इंडेक्स और सेट कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। अभी तक के कारोबार में हैंग सेंग इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ 20,117.06 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,079.90 अंक के स्तर तक पहुंच गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 144 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,692 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 166.10 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,024.10 के स्तर तक पहुंच गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.20 प्रतिशत फिसल कर 3,788.24 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.60 प्रतिशत टूट कर 3,387.15 अंक के स्तर पर कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

नए साल के स्वागत में शिमला में पर्यटकों की संख्या में इजाफा

शिमला

नए साल के आगमन का स्वागत करने के लिए शिमला में पर्यटकों की संख्या में इजाफा देखा जा रहा है। बर्फबारी का मजा लेने के लिए शहर के होटल और रिसॉर्ट्स में बुकिंगें हो गई हैं और होटल मालिकों का कहना है कि 31 दिसंबर तक होटल शायद पूरी तरह से भरे जा सकते हैं। यहां पर्यटक नए साल के मौके पर बर्फबारी का मजा लेने आ रहे हैं, लेकिन कुछ उपरोक्त पर्यटकों को बर्फबारी में देरी की खबर थोड़ा निराश कर रही है।

बर्फबारी का मजा लेने के लिए शहर के होटल और रिसॉर्ट्स में बुकिंग हुई

दिल्ली के दिलशाद गार्डन से आए एक पर्यटक ने बताया कि हम शिमला न्यू ईयर मनाने के लिए आए थे और जब यहां पहुंचे थे, तो बर्फबारी हो रही थी। हम यहां क्रिसमस का जश्न नहीं मना पाए, लेकिन अब न्यू ईयर का जश्न मनाने के लिए आए हैं। माल रोड पर बहुत भीड़ है, लोग यहां घूमने आ रहे हैं। बर्फबारी की उम्मीद अगले दो-तीन दिन में जताई जा रही है, लेकिन फिलहाल हमें कोई आस नजर नहीं आ रही।

हम 2-3 जनवरी तक यहां रुकेंगे, फिर दिल्ली लौट जाएंगे। हरिद्वार से शिमला पहुंचे पर्यटक ने कहा कि यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम अपने दोस्तों के साथ यहां आनंद ले रहे हैं। बर्फबारी की उम्मीद थी, लेकिन अभी तक नहीं हो रही। हम बर्फबारी का इंतजार कर रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि जल्द ही यह देखने को मिले। शिमला का माहौल इस समय बेहद उत्साहपूर्ण है, और पर्यटक यहां के ठंडे मौसम, ताजगी और खूबसूरत दृश्य का पूरा लुत्फ उठा रहे हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीद आगे बेहतर रहेगी: आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने जीडीपी वृद्धि दर में हालिया सुस्ती के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाएं बेहतर होने की उम्मीद जताई है। मल्होत्रा ने आरबीआई की वित्तीय स्थायित्व रिपोर्ट में दिया यह बयान। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता और कारोबारी विश्वास उच्च बना हुआ है, जिससे अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिलेगी।

मल्होत्रा ने रिपोर्ट में इस विश्वास को दर्शाया है कि 2024-25 की पहली छमाही में आर्थिक गतिविधियों की रफ्तार सुस्त रहने के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाओं में सुधार की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर घटकर 5.4 फीसदी रह गई।

मल्होत्रा ने आगामी वर्ष के लिए उपभोक्ता और कारोबारी विश्वास को देखते हुए और निवेश परिदृश्य के सुधार का मार्ग दिखाया है। भरपूर व्यापारिक गतिविधियों की तेजी के कारण 2024-25 की तीसरी और चौथी तिमाही में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर में सुधार की उम्मीद

खाद्य कीमतों में नरमी से नवंबर में मुद्रास्फीति को 5.5 फीसदी तक सीमित करने में मदद मिली

जताई गई है। मुद्रास्फीति के मामले में, रिपोर्ट ने बताया कि खाद्य कीमतों में नरमी के कारण नवंबर में समग्र मुद्रास्फीति को 5.5 फीसदी तक सीमित करने में मदद मिली है। हालांकि मुख्य मुद्रास्फीति मई 2024 के बाद 64 आधार अंकों की बढ़त के साथ नवंबर में 3.7 फीसदी हो गई है।

रिपोर्ट में दिखाई गई यह उम्मीद है कि खाद्यान्न की कीमतों में आने वाली नरमी से मुद्रास्फीति पर असर पड़ेगा।संजय मल्होत्रा ने दावा किया कि रिजर्व बैंक वित्तीय संस्थानों की स्थिरता को बरकरार रखने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने भारतीय वित्तीय क्षेत्र की मजबूती की स्तुति भी की और कहा कि वित्तीय प्रणाली के बल मिल रहे हैं।

भारत को शिक्षा खर्च बढ़ाकर जीडीपी 6 फीसदी करने की जरूरत: सीआईआई

भारत में माध्यमिक स्कूलों में नामांकन दर की भी चिंता

नई दिल्ली

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें उन्होंने बताया कि भारत को शिक्षा पर जीडीपी का 6 फीसदी खर्च करना चाहिए। इसके लिए उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से भारत का शिक्षा पर खर्च जीडीपी के 2.7 से 2.9 फीसदी तक ही रही है, जबकि विकसित देशों में यह खर्च 5 से 7 फीसदी तक है। भारत में माध्यमिक स्कूलों में नामांकन दर की भी चिंता है। यहां नामांकन दर 79.6 फीसदी है, जो अन्य देशों के मुकाबले कम है।

उदाहरण के लिए, ब्रिटेन, स्वीडन, और यूएसए में यह दर 98 से 100 फीसदी के बीच है। सीआईएआई की रिपोर्ट में इसके साथ ही बताया गया है कि भारत को चीन, ऑस्ट्रेलिया, स्वीडन, और यूके के मॉडल से अधिक सीखने की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार भारत को अपने शिक्षा बजट को बढ़ाकर, वैश्विक मानकों के

अनुरूप लाने की जरूरत है। स्वीडन और अमेरिका जैसे देशों ने अपने शिक्षा पर निवेश को बढ़ाया है, और सीआइआइ का मानना है कि भारत को भी इस दिशा में कदम उठाना चाहिए। शिक्षा पर उचित निवेश न करने से वैश्विक मानकों के हिसाब से सुधार मुश्किल हो सकता है। इस रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि भारत को अपने शिक्षा क्षेत्र में निवेश में बदलाव की जरूरत है ताकि हम विकसित देशों के साथ टकराव कर सकें और एक उचित शिक्षा व्यवस्था को बनाए रख सकें।

साल के आखिरी दिन सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी चमक बढ़ी

नई दिल्ली

साल 2024 के आखिरी दिन घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी नजर आ रही है। सोने के भाव में आई कमजोरी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,150 रुपये से लेकर 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,650 रुपये से लेकर 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी 200 रुपये प्रति किलोग्राम की मजबूती नजर आ रही है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल- 462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01,-03, फैक्स नं.- 0755-2553914 e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) रजिस्टर्ड नं.म.प्र./296/भोपाल/2012-2014 आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015-2017